B.A. Hindi - III Year

Pracheen Padya - 1010309

प्राचीन–पद्य

Unit - 01

कबीरदास – निर्गुण भक्ति धारा, रामानन्द के प्रमुख शिष्य, सन्त मत एवं सन्त काव्य, कबीर और रहस्यवाद, क्रान्तिकारी कबीर, कबीर ग्रन्थावली, कबीर के दार्शनिक विचार, निगुर्ण राम, कबीर की भाई और दीनता, उनका काव्य रूप, छंद, साखी, सबर, कबीर साहित्य की प्रामाणिकता, कबीर की सामाजिक चेतना, कबीर की काव्य भाषा, कबीर की वर्तमान प्रासांगिकता ।

Unit - 02

सूरदास – वल्लभ संप्रदाय, सूर एवं कृष्णभहि शाखा, सूर की रचनाएँ व्रजभाषा व सूर, सूर का साहित्य, सूर सागर, सूर की शैली, रसभाव की भाषा, पिंगल, अलंकार, भ्रमरगीत, सूर एवं तुलसी ।

Unit - 03

तुलसीदास – राम भक्ति शाखा, तुलसी की रचनाएँ, रामचरित मानस, गीतावली, विनय पषीका परिचय, तुलसी की भाषा–शैली, अलंकार योजना, तुलसी एवं समन्यवाद उनकी रचना में प्रगीत काव्य, तुलसी की कारयित्री, प्रतिभा तुलसी और सूर की तुलना ।

Unit - 04

रहिम – दोहावाली के नीति परक दोहे, नवरत्न कवि अरवी, फारसी और संस्कृत के सुकवि, रहीम की रचनाएँ, दोहावली, बरवै नाकयका भेद, श्रृंगार सारेठा, फृटकर छंद एवं पद, रहीम की भाषा, रहीम, प्रेम, राम–नाम–लोक नीति, रहीम के दोहों की समालोचना एवं महिमा ।

Unit - 05

बिहारी – रीतिकाल रीति बद्धता, रीति–सिद्धता, सतसई, श्रृंगार, भक्ति और नीति की त्रिवेणी, सतसई, बिहारी की काव्य, कला ब्रज–भाषा के डिक्टेटर, बिहारी विदग्ध कवि होने पर भी बिहारी कविता के गुण, व्यंजन प्रधानता अभिव्यक्ति, प्रधानता एवं स्वच्छन्ता, बिहारी के काव्य वर्ग अनुभूति ।

Unit - 06

केशवदास – उनकी रचनाएँ, कवि–प्रिया, संस्कृत की अतुलनयि विद्धता, रसिक, प्रिया, उनके कला, कौशल ।

Unit - 07

भारतेन्दु हरिश्चन्द – रीतिकाल का समापन और भारतेन्द, युग का आरंभकाल उनकी काव्य, धारा, सामाजिक, चेतना, उनके काव्यानुवाद, भाषा–शैली, उनके योग–दान ।